

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 174 ■ दमण, मंगलवार 31, मार्च 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

गैस संकट के बीच आई राहत भरी खबर: ओएनजीसी के दमण अपसाइड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट से गैस प्रोडक्शन शुरू

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दमण 30 मार्च। भारत की प्रमुख तेल और गैस कंपनी ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन ने अपने एक अरब डॉलर वाले ऑफशोर गैस प्रोजेक्ट में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। कंपनी का दमण अपसाइड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (डीयूडीपी) पूरा हो गया है। इसके जरिए 29 मार्च 2026 को प्लेटफॉर्म B-12-24P पर पहला गैस फ्लो शुरू हो गया है, जिससे गैस को हजीरा प्लांट भेजा जा रहा है। जहाँ एक ओर मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव के बीच गैस का संकट मंडरा रहा है। इस बीच में यह देश के लिए एक बड़ी राहत वाली खबर है। यह प्रोजेक्ट अरब सागर में स्थित है, जो मुंबई से लगभग 180 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम और गुजरात के पिपावा से करीब 80 किलोमीटर दक्षिण में है। लगभग 1 अरब डॉलर

(कैपेक्स) की लागत वाले इस प्रोजेक्ट को कॉन्ट्रैक्ट अवॉर्ड होने के दो साल से भी कम समय में पूरा किया गया है। ओएनजीसी ने मजबूत प्रोजेक्ट एक्जीक्यूशन, इन्वेंटिव डिज़ल-डेक टेकोलॉजी और डिज़लिंग व प्रोडक्शन टीमों के बेहतरीन प्रदर्शन को इस सफलता का श्रेय दिया है। प्लेटफॉर्म B-12-24P को सफलतापूर्वक कमीशन किया गया है और अब गैस को हजीरा प्रोसेसिंग प्लांट में भेजा जा रहा है। यह उपलब्धि डीयूडीपी प्रोजेक्ट से गैस मोनेटाइजेशन की शुरुआत का प्रतीक है। आगे सभी वेल्स से प्रोडक्शन को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाया जाएगा। ओएनजीसी के अनुसार, यह प्रोजेक्ट मील का पत्थर है, जिससे भारत की घरेलू प्राकृतिक गैस आपूर्ति को बढ़ाने और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने में मददगार साबित होगा।



लोकसभा में नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान दमण-दीव सांसद उमेश पटेल ने विकास, न्याय और आदिवासी अधिकारों का उठाया मुद्दा

■ नक्सलवाद केवल जंगलों में नहीं है-यह उस खालीपन में है जहाँ न्याय नहीं पहुँचा, जब तक यह खालीपन रहेगा, कोई भी ऑपरेशन स्थायी समाधान नहीं दे सकता: सांसद उमेश पटेल ■ सांसद उमेश पटेल ने केन्द्र सरकार के समक्ष TPS 1E की तत्काल समीक्षा एवं स्वतंत्र जांच, बाजार मूल्य के आधार पर गारंटीड मुआवजा सुनिश्चित किया जाए, Betterment Charges का स्वतंत्र ऑडिट, छोटे और आदिवासी जमीन मालिकों को राहत दी जाए, मधुबन डेम विस्थापितों का पूर्ण पुनर्वास, मुआवजा और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं, डीएनएच क्षेत्र में PESA Act का तत्काल क्रियान्वयन, आदिवासी समुदायों को उनके संसाधनों पर अधिकार दिये जाने की रखी मांग

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 30 मार्च। लोकसभा में नक्सलवाद पर आज हुई महत्वपूर्ण चर्चा के दौरान दमण-दीव के सांसद उमेश पटेल ने राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक न्याय और स्थानीय अधिकारों के मुद्दों को मजबूती से उठाया। सांसद उमेश पटेल ने कहा कि देश की संप्रभुता पर कोई समझौता नहीं हो सकता, सशस्त्र हिंसा किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद देश की एकता और लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती है, लेकिन इसकी जड़ें केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह न्याय की कमी, असमानता और शासन से दूरी का परिणाम है। सांसद उमेश पटेल ने सदन में यह महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया कि जब हर वर्ष नक्सलवाद समाप्त करने के वादे किए जाते हैं तो यह समस्या बार-बार क्यों उभरती है? उन्होंने इसके प्रमुख कारणों को रेखांकित करते हुए कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में भूमि अधिकार अब तक स्पष्ट नहीं हुए, विकास परियोजनाओं के नाम पर विस्थापन हुआ, लेकिन पुनर्वास अधूरा रहा, योजनाएं कागजों तक सीमित रहीं, जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार हावी रहा, स्थानीय समुदायों को अपने संसाधनों पर निर्णय लेने का अधिकार नहीं मिला। सांसद उमेश पटेल ने अपने संघ प्रदेश दादरा नगर



दमण में एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के तहत मनाया गया राजस्थान राज्य का स्थापना दिवस

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दमण 30 मार्च। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल मार्गदर्शन में एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के तहत दमण कलेक्ट्रेट में आज राजस्थान राज्य का स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान राजस्थान के स्थापना दिवस को याद किया गया। इस अवसर पर दमण जिले में राजस्थान क्षेत्र के रहने वाले जाने-माने लोगों को दमण डिप्टी कलेक्टर (जनरल) द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर दमण डिप्टी कलेक्टर ने राजस्थान के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को



अपने समृद्ध इतिहास, संस्कृति और विरासत पर गर्व है। एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लोगों के

बीच बातचीत को बढ़ावा और आपसी समझ को बढ़ावा देना है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे अवसरों को मनाने से भाषा सीखने, संस्कृति, परंपरा, संगीत, पर्यटन, व्यंजन, खेल और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने जैसे क्षेत्रों में स्थायी और संरचित सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।

हवेली और दमण - दीव में लागू Draft Town Planning Scheme (TPS 1E) पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य विकास को गति देना है, लेकिन TPS 1E के वर्तमान स्वरूप से आम जनता, विशेषकर आदिवासी और छोटे किसानों पर भारी असर पड़ रहा है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि लोगों की जमीन का बड़ा हिस्सा सार्वजनिक उपयोग के लिए लिया जा रहा है, मुआवजे की कोई स्पष्ट और गारंटीड व्यवस्था नहीं, जमीन देने वालों पर ही Betterment Charges का बोझ डाला जा रहा है। उन्होंने विशेष रूप से आदिवासी समाज की चिंता जताते हुए कहा कि जमीन ही उनका जीवन है और जमीन छिनने के बाद उनके पास कोई विकल्प नहीं बचेगा। सांसद

उमेश पटेल ने मधुबन डेम (1972-73) के विस्थापितों और विभिन्न हाईवे परियोजनाओं से प्रभावित लोगों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि आज तक पूर्ण पुनर्वास और उचित मुआवजा नहीं मिला, फॉरस्ट राइट्स एक्ट का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि जहाँ न्याय नहीं मिलता, वहीं असंतोष जन्म लेता है और यही असंतोष आगे चलकर बड़ी समस्या बनता है। उमेश पटेल ने केंद्र सरकार के समक्ष कई प्रमुख मांगें रखीं। जिसमें उन्होंने TPS 1E की तत्काल समीक्षा एवं स्वतंत्र जांच, बाजार मूल्य के आधार पर गारंटीड मुआवजा सुनिश्चित किया जाए, Betterment Charges का स्वतंत्र ऑडिट, छोटे और आदिवासी जमीन मालिकों को

राहत दी जाए, मधुबन डेम विस्थापितों का पूर्ण पुनर्वास, मुआवजा और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं, डीएनएच क्षेत्र में PESA Act का तत्काल क्रियान्वयन, आदिवासी समुदायों को उनके संसाधनों पर अधिकार दिया जाए जैसी मांग रखी। सांसद उमेश पटेल अंत में कहा कि नक्सलवाद केवल जंगलों में नहीं है-यह उस खालीपन में है जहाँ न्याय नहीं पहुँचा। जब तक यह खालीपन रहेगा, कोई भी ऑपरेशन स्थायी समाधान नहीं दे सकता। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि इस विषय को केवल सुरक्षा के नजरिए से नहीं, बल्कि न्याय, अधिकार और विश्वास की बहाली के रूप में देखा जाए। दमण-दीव सांसद उमेश पटेल के कार्यालय द्वारा प्रेसनोट जारी कर इसकी जानकारी दी गई है।

राहत दी जाए, मधुबन डेम विस्थापितों का पूर्ण पुनर्वास, मुआवजा और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं, डीएनएच क्षेत्र में PESA Act का तत्काल क्रियान्वयन, आदिवासी समुदायों को उनके संसाधनों पर अधिकार दिया जाए जैसी मांग रखी। सांसद उमेश पटेल अंत में कहा कि नक्सलवाद केवल जंगलों में नहीं है-यह उस खालीपन में है जहाँ न्याय नहीं पहुँचा। जब तक यह खालीपन रहेगा, कोई भी ऑपरेशन स्थायी समाधान नहीं दे सकता। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि इस विषय को केवल सुरक्षा के नजरिए से नहीं, बल्कि न्याय, अधिकार और विश्वास की बहाली के रूप में देखा जाए। दमण-दीव सांसद उमेश पटेल के कार्यालय द्वारा प्रेसनोट जारी कर इसकी जानकारी दी गई है।



उदय और अस्त में बस इतना सा फासला है, एक शुरुआत का नाम, एक अंत का सिलसिला है।

एनवीबीडीसीपी दमण के कीट संग्राहक करसन आला को दी सेवानिवृत्ति विदाई

■ करसन आला ने 35 वर्षों तक दमण जिले के स्वास्थ्य क्षेत्र में दिया अपना योगदान असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दमण 30 मार्च। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी) दमण द्वारा आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोटी दमण के सम्मेलन कक्ष में एनवीबीडीसीपी के कीट संग्राहक करसन आला के सम्मान में एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। करसनभाई 35 वर्षों की सराहनीय सेवा के बाद अपनी सेवानिवृत्ति पूरी कर रहे हैं। 7 जनवरी 1991 को विभाग में नियुक्त हुए करसनभाई ने अपने साढ़े तीन दशक के लंबे कार्यकाल के दौरान दमण जिले के स्वास्थ्य क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने विशेष रूप से हाथीपाँव, मलेरिया एवं डेंगू बीमारियों के नियंत्रण और रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभागीय अधिकारियों ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्र में कीट संग्रह और रोग नियंत्रण के लिए उनके द्वारा किया गया जमीनी कार्य हम सभी के



लिए प्रेरणादायक है। कठिन परिस्थितियों में भी उनकी कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण ने विभाग को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया है। कार्यक्रम के दौरान सहकर्मियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने करसनभाई के साथ साझा किए गए अनुभवों को याद किया। विभाग की ओर से उन्हें उज्वल भविष्य की कामना

करते हुए कहा गया कि हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि करसनभाई का सेवानिवृत्ति के बाद का जीवन पूर्णतः स्वस्थ, खुशहाल और शांतिपूर्ण हो।

राष्ट्र जागरण सामाजिक समरसता और जनचेतना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्र निष्ठा चौपाल का हुआ भव्य शुभारंभ

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 30 मार्च। राष्ट्र जागरण सामाजिक समरसता और जनचेतना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्र निष्ठा चौपाल का भव्य शुभारंभ किया गया। ग्रेटर नोएडा स्थित एक होटल में श्रीमद् जगद्गुरु स्वामी वेद पुत्र जी महाराज (भैरव पीठाधीश्वर), हिंदी फिल्म की अदाकारा पूनम हिल्लों और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण परिषद के वरिष्ठ



पदाधिकारी जयशंकर राय, अधिवक्ता आर. वी. मेहता और राजू मेहरा के नेतृत्व में आयोजन किया गया। इस मौके पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में देश और समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में श्रीमद् जगद्गुरु स्वामी वेद पुत्र जी महाराज (भैरव पीठाधीश्वर) ने अपने संबोधन में आध्यात्मिक मूल्यों के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए सभी वर्गों की भागीदारी जरूरी है। इस अवसर पर फिल्म अभिनेत्री पूनम हिल्लों, इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स एंड क्राइम कंट्रोल काउंसिल के इंटरनेशनल चेयरमैन जयशंकर राय, वरिष्ठ अधिवक्ता आर. वी. मेहता और राजू मेहरा भी मौजूद रहे। वक्ताओं ने राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता और जनजागरूकता को समय की आवश्यकता बताया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि राष्ट्र

निष्ठा चौपाल एक ऐसा मंच होगा, जो युवाओं, महिलाओं, बुद्धिजीवियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को जोड़कर राष्ट्र प्रति निष्ठा, मानवाधिकार जागरूकता और सकारात्मक जनभागीदारी को बढ़ावा देगा। इस पहल के माध्यम से देशभर में संवाद और सहयोग का नेटवर्क तैयार करने की योजना है, जिससे विभिन्न सामाजिक चुनौतियों का समाधान सामूहिक प्रयासों से किया जा सके। इस दौरान पूनम हिल्लों ने महिला विकास एवं समाज में महिलाओं के सम्मान के बारे में और राष्ट्र विकास में महिलाओं के योगदान के विषय पर अपने विचार रखे। संगठन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष जयशंकर राय कहा कि राष्ट्र निष्ठा चौपाल केवल एक पहल नहीं, बल्कि एक जनआंदोलन है, जो नागरिकों में जिम्मेदारी और एकता की भावना को मजबूत करेगा। अधिवक्ता आर. वी. मेहता ने अपनी बात रखते हुए संगठन की

कार्यप्रणाली और हर एक नागरिक को उनके अधिकार के साथ साथ उनके अपने परिवार के प्रति, समाज के प्रति, गुरुजनों के प्रति और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य से अवगत कराने का काम इस चौपाल द्वारा किया जाएगा और इस होनेवाले चौपाल के कार्यक्रमों को सशक्त और विकसित राष्ट्र की तरफ आगे बढ़ने की पहल बताया। कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथियों, मॉडिया प्रतिनिधियों और संगठन के सदस्यों ने भाग लिया। इस मौके पर अपने-अपने कार्यक्षेत्र के कई सक्षम व्यक्तियों पूनम हिल्लों के हाथों मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में संगठन द्वारा अपेक्षा रखी गई कि मॉडिया द्वारा इस चौपाल की पहल को व्यापक स्तर पर प्रसारित करके उसके द्वारा होनेवाली संपन्न भारत - आत्म निर्भर भारत और अखंड भारत करने के लक्ष्य तक पहुँचने की इस कोशिश को देश भर में फैलाने में अहम भूमिका निभाई जाएगी।

ईरान की सीमाओं के हालात देखिये, पक्का चौक जाएंगे! युद्ध ने खड़ा कर दिया है बहुत बड़ा मानवीय संकट



नीरज कुमार दुबे

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, यह संकट अब ईरान की सीमाओं से बाहर भी फैल चुका है। 19 मार्च तक अस्सी हजार से अधिक लोग देश छोड़ चुके हैं। इनमें से सबसे ज्यादा लोग अफगानिस्तान पहुंचे हैं, जहां सत्तर हजार से अधिक लोगों ने शरण ली है।

ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष ने पूरे पश्चिम एशिया को एक गहरे मानवीय संकट में धकेल दिया है। बीते एक महीने से लगातार हो रही बमबारी ने न केवल हजारों लोगों की जान ली है, बल्कि लाखों लोगों को अपना घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया है। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 28 फरवरी से अब तक अमेरिका और इजराइल के हमलों में कम से कम 1937 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि चौबीस हजार आठ सौ से अधिक लोग घायल हुए हैं। ये आंकड़े इस बात की गंभीरता को दर्शाते हैं कि यह संघर्ष अब व्यापक मानवीय आपदा बन चुका है।

इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के मुताबिक, इस संघर्ष के कारण अब तक बत्तीस लाख से अधिक लोग ईरान के भीतर ही विस्थापित हो चुके हैं। तेहरान, इस्फहान और केरमानशाह जैसे बड़े शहरों में सबसे ज्यादा हवाई और ड्रोन हमले हुए हैं, जिसके चलते लोग इन इलाकों को छोड़कर अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाने वाले ग्रामीण क्षेत्रों और कैस्पियन सागर के पास के उत्तरी इलाकों की ओर जा रहे हैं। लेकिन हालात इतने खराब हैं कि सुरक्षित स्थान भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं रह गए हैं। कई जगहों पर लगातार हमलों के कारण लोगों के सामने यह दुविधा है कि वे अपने घरों में रहें या पलायन का जोखिम उठाएं।

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, यह संकट अब ईरान की सीमाओं से बाहर भी फैल चुका है। 19 मार्च तक अस्सी हजार से अधिक लोग देश छोड़ चुके हैं। इनमें से सबसे ज्यादा लोग अफगानिस्तान पहुंचे हैं, जहां सत्तर हजार से अधिक लोगों ने शरण ली है। इसके अलावा पाकिस्तान, अजरबैजान, इराक और तुर्कमेनिस्तान में भी हजारों लोग पहुंचे हैं। यह पलायन इस बात का संकेत है कि लोगों को अब अपने देश में जीवन सुरक्षित नहीं लग रहा। डर, असुरक्षा और लगातार हो रहे हमलों ने आम नागरिकों को अपनी जान बचाने के लिए मजबूर कर दिया है।

वहीं सीमाओं पर हालात और भी ज्यादा कठिन होते जा रहे हैं। ईरान से भागकर अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमाओं तक पहुंचने वाले लोगों को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। राहत एजेंसियों के अनुसार, सोमाई चौकियों पर भारी भीड़, लंबी कतारें और सीमित



संसाधनों के कारण लोगों को कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर भोजन, पानी और चिकित्सा सुविधाओं की भारी कमी है। इसके अलावा, सुरक्षा स्थिति भी बेहद चिंताजनक बनी हुई है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर लगातार झड़पें और गोलाबारी हो रही है, जिससे शरण लेने आए लोगों की जान भी खतरे में पड़ रही है। हाल के दिनों में सीमा क्षेत्रों में तोपखाने हमलों और सैन्य कार्रवाई की खबरें सामने आई हैं, जिनमें आम नागरिक भी घायल हुए हैं। साथ ही कई बार सीमाएं अचानक बंद कर दी जाती हैं या सीमित समय के लिए खोली जाती हैं, जिससे हजारों लोग बीच रास्ते में फंस जाते हैं। कुछ मामलों में लोगों को जबरन वापस लौटाया जा रहा है, जबकि कई परिवार बिछड़ जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जो लोग एक युद्ध से बचकर भाग रहे हैं, वे अक्सर दूसरे संघर्ष और असुरक्षा के माहौल में पहुंच जाते हैं, जिससे उनकी स्थिति और भी दयनीय हो जाती है।

ईरान से भाग रहे लोगों की कहानियां भी बेहद मार्मिक हैं। कई लोग अचानक देश की सरकार से नाराज हैं और इस संघर्ष को बदलाव का मौका मान रहे हैं। कुछ लोगों ने विदेशी सैन्य हस्तक्षेप का समर्थन भी किया है, जो इस बात को दर्शाता है कि देश के भीतर असंतोष कितना गहरा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, एक व्यक्ति ने बताया कि पिछले 47 वर्षों का दर्द अब असहनीय हो चुका है। वहीं एक अन्य व्यक्ति, जो सात साल जेल में रहा, उसने कहा कि जो पीड़ा उन्होंने झेली है, उसे समझ पाना आसान नहीं है। हालांकि, लोग डर और उम्मीद दोनों के बीच जी रहे हैं। वह अपनी जान और परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं, लेकिन साथ ही यह भी चाहते हैं कि यह संघर्ष किसी बड़े बदलाव की ओर ले जाए। वहीं ईरान में रहने वाले चालीस लाख से अधिक अफगान शरणार्थी इस संकट में सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। इनमें से अधिकतर शहरों में रहते हैं, जो हमलों का मुख्य लक्ष्य बने हुए हैं। इनमें से कई लोगों की आजीविका खत्म हो चुकी है

और उनके पास न तो सुरक्षित स्थान है और न ही देश छोड़ने की अनुमति है। बताया जा रहा है कि करीब पैंतीस हजार अफगान पहले ही वापस अपने देश लौट चुके हैं, जबकि दस लाख से अधिक लोगों पर जबरन वापसी का खतरा मंडरा रहा है। यह स्थिति और भी गंभीर है क्योंकि अफगानिस्तान खुद संकट से जूझ रहा है।

दूसरी ओर, ईरान के शहरों से आ रही तस्वीरें बेहद चिंताजनक हैं। कई इलाकों में घर, अस्पताल और स्कूल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। तेहरान के लगभग हर इलाके में इमारतों को नुकसान पहुंचा है। लोग अपने घरों की खिड़कियों पर टेप लगा रहे हैं ताकि कांच टूटने से होने वाली चोटों से बचा जा सके। इंटरनेट सेवाएं बाधित हैं और बैंकिंग व्यवस्था भी प्रभावित है, जिससे आम जीवन और कठिन हो गया है। लोग रातभर बम धमाकों की आवाज सुनते हुए डर के साये में जी रहे हैं।

उधर, मानवीय संगठनों का कहना है कि राहत कार्यों के लिए जरूरी धन की भारी कमी है। हर सप्ताह अरबों रुपये युद्ध पर खर्च हो रहे हैं, लेकिन प्रभावित लोगों के लिए भोजन, आश्रय और चिकित्सा सहायता के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। बताया जा रहा है कि ईरान में करीब अड़स लाख लोगों की मदद के लिए 80 मिलियन डॉलर की जरूरत है, जबकि अफगानिस्तान में 17.5 मिलियन लोगों के लिए 1.71 बिलियन डॉलर की आवश्यकता है। लेकिन अब तक इसका बहुत छोटा हिस्सा ही उपलब्ध हो पाया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह युद्ध जारी रहा तो यह एक और बड़े मानवीय संकट का रूप ले सकता है। लाखों लोग सीमाओं के पार जाने को मजबूर होंगे, जिससे पहले से दबाव झेल रहे देशों पर और बोझ बढ़ेगा। देखा जाये तो यह संघर्ष आम लोगों को ऐसी पीड़ा दे रहा है जिसके लिए वे जिम्मेदार नहीं हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की जा रही है कि सभी पक्ष नागरिकों और बुनियादी ढांचे पर हमले रोकें और कूटनीतिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ें।

बहरहाल, ईरान और अमेरिका के बीच यह युद्ध अब पूरे क्षेत्र के लिए गंभीर मानवीय संकट बन चुका है। हजारों मौतें, लाखों विस्थापित लोग और बर्बाद होती जिंदगी इस बात का संकेत हैं कि अगर जल्द ही समाधान नहीं निकला तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है।

संपादकीय

इंसानी जीपीएस का क्षरण

अक्सर कहा जाता है कि मनुष्य शरीर के वे अवयव निष्क्रिय हो जाते हैं, जिनका मनुष्य लगातार उपयोग नहीं करता। मानव शरीर की अद्भुत कुदरती क्षमताओं पर भी यही बात लागू होती है। हाल ही में नोबेल पुरस्कार विजेता न्यूरोसाइंटिस्ट डॉ. एडवर्ड मोजर की वह चेतनावी चोकाती है कि तकनीकी जीपीएस पर बढ़ती निर्भरता से इंसान के मस्तिष्क में स्थित कुदरती जीपीएस की क्षमता कम हो रही है। सदियों से इससे हमारे दिमाग में लक्षित स्थान का नक्शा बनाकर जगह तक पहुंचने में मदद मिलती थी। लेकिन हम रास्ते नहीं खोजते, बस जीपीएस की हिदायतों ही मानते हैं। याद करें जब फोन नहीं थे तो वाहन चालक व सामान पहुंचाने वाले वर्कर्स खुद रास्ते तलाशकर गंतव्य स्थान तक पहुंचते थे। लेकिन अब हम अपने दिमाग में पहुंचने वाली जगह का नक्शा बनाने की बजाय बस जीपीएस की हिदायतों ही मानते हैं। हम सिर्फ रास्ते की कड़ियों का हिस्सा बन रहे हैं। एक समय था कि हमें घुमावदार रास्ते भी याद रहते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं। इसकी वजह है कि अब हम रास्तों व उसके आसपास की चीजों को याद करने की जहमत नहीं उठाते। कम्प्यूटरीय यह स्थिति ऐसी ही है जैसे कुछ साल पहले तक हमें बहुत सारे फोन नंबर याद रहते थे। वहां तक कि लैंडलाइन फोन के नंबर भी हम याद रखते थे। लेकिन अब फोन में नंबर सुरक्षित करके हम अपने परिवार के खास फोन नंबर याद नहीं रख पा रहे हैं। इसी तरह हम कुदरती जीपीएस की क्षमताओं से वंचित होने लगे हैं। दरअसल, वैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य के मस्तिष्क के भीतर ग्लिड सेल्स होते हैं। जिन्हें इंसानी दिमाग का भीतर जीपीएस कहा जा सकता है। जो हमारा मार्गदर्शन करते हैं कि हम कहाँ हैं और हमें आगे कहाँ जाना है। ये ही हमारे दिमाग में लक्षित जगह का नक्शा बनाने में मदद करते हैं कि हमें कैसे व कहाँ जाना है। रोचक तथ्य यह है कि मनुष्य के मस्तिष्क में यह कुदरती जीपीएस जन्म के बाद जल्दी ही सक्रिय हो जाता है। यानी कुछ समय बाद ही मनुष्य के शरीर में रास्ते पहचानने की क्षमता विकसित हो जाती है। लेकिन विडंबना यह है कि हम लगातार अपने शरीर के इस कुदरती गुण को नजरअंदाज करके तकनीक यानी जीपीएस पर निर्भरता बढ़ाने लगे हैं। चिंता इस बात की भी है कि कहीं देर-सवेर हम अपने शरीर के भीतर स्थित जीपीएस से वंचित न हो जाएं। जिसका सीधा असर हमारी सीखने की क्षमता, रास्ते याद रखने की शक्ति और भविष्य में लक्षित मार्ग खोजने की योग्यता में गिरावट के रूप में होगा। वैज्ञानिक कहते हैं कि हम तकनीक का इस्तेमाल करें, लेकिन कुदरती क्षमता को सिर से नजरअंदाज न करें। यदि समय-समय पर हम उसका उपयोग करेंगे तो उसकी सक्रियता बनी रहेगी। फिर जिन स्थानों पर गूगल व अन्य जीपीएस काम नहीं करते, वहां हम अपनी नैसर्गिक क्षमता का उपयोग रास्ते तलाशने में कर सकते हैं। वैज्ञानिक शोध कर रहे हैं कि दिमागी जीपीएस प्रारूप का इस्तेमाल रोबोटिक्स में करने में कैसे सफलता मिले। जिससे मशीनों भी वैसा ही व्यवहार करें जैसा हमारा दिमाग करता है।

चिंतन-मनन

कर्म का फल है योनियां

जीवों में शरीर तथा इंद्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इंद्रिय-सूक्ष्म से ये योनियां मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने को इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुःख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुःख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अतः वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंड लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सूक्ष्मों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है। यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इंद्रियों का कार्य है। इंद्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इंद्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुःख का कारण होता है। एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है। उस समय शरीर में ऐसी शक्ति नहीं होती कि वह उस नियम को बदल सके। उदाहरण के लिए ज्यों ही वह कुत्ते के शरीर में स्थापित किया जाता है, उसे कुत्ते की भांति आचरण करना होता है। यदि जीव को शूकर का शरीर प्राप्त होता है, तो वह मल खाने तथा शूकर की भांति रहने के लिए बाध्य है। इसी प्रकार यदि जीव को देवता का शरीर प्राप्त होता है, तो उसे अपने शरीर के अनुसार कार्य करना होता है। यही प्रकृति का नियम है। लेकिन समस्त परिस्थितियों में परमात्मा जीव के साथ विद्यमान रहता है।



योगेश कुमार गोयल

'अहिंसा परमो धर्मः' का अमर संदेश देने वाले भगवान महावीर का जीवन और दर्शन आज के अशांत, तनावग्रस्त और संघर्षपूर्ण समय में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। आधुनिक युग में मनुष्य प्रगति की अंधी दौड़ में नैतिक मूल्यों से दूर होता जा रहा है। स्वार्थ, लोभ और प्रतिस्पर्धा ने उसे इस हद तक प्रभावित कर दिया है कि वह अपने हित के लिए हिंसा और अनैतिकता को भी उचित ठहराने लगा है। ऐसे समय में महावीर स्वामी का अहिंसा, संयम और करुणा पर आधारित दर्शन मानवता को एक नई दिशा देता है और उसे आत्ममंथन के लिए प्रेरित करता है।

भगवान महावीर ने अपने जीवन के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि प्रत्येक जीव समान है और हर प्राणी में आत्मा का वास है। उन्होंने 'जीओ और जीने दो' का जो सिद्धांत दिया, वह केवल एक नैतिक उपदेश नहीं बल्कि संपूर्ण जीवन दर्शन है। यह हमें सिखाता है कि हम अपने व्यवहार और आचरण में ऐसी संवेदनशीलता विकसित करें, जिससे किसी भी प्राणी को कष्ट न पहुंचे। उनका यह विचार कि पेड़-पौधे, जल, वायु और अग्नि तक में

युगों-युगों तक मार्गदर्शन करती रहेगी भगवान महावीर की अमृतवाणी



जीवन है, आज के पर्यावरणीय संकट के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। जब पृथ्वी प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के संकट से जूझ रही है, तब महावीर का यह संदेश हमें प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने का आह्वान करता है। महावीर स्वामी ने कर्म के सिद्धांत को भी अत्यंत स्पष्टता से समझाया। उनका मानना था कि मनुष्य स्वयं अपने कर्मों के लिए जिम्मेदार है और वही उसके भविष्य का निर्धारण करते हैं। कोई भी व्यक्ति अपने कर्मों से बच

नहीं सकता। जो जैसा करता है, वैसा ही फल प्राप्त करता है। यह सिद्धांत न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मनुष्य को उत्तरदायित्व और सजगता का बोध कराता है। उन्होंने यह भी सिखाया कि धर्म बाहरी आडंबरों में नहीं बल्कि आत्मा की पवित्रता में निहित है। अहिंसा, सत्य, संयम और तप ही धर्म के वास्तविक लक्षण हैं। क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे दोष मनुष्य के सभी गुणों का नाश कर देते हैं। इसलिए

इजरायल- ईरान युद्ध से वैश्विक आर्थिक महामंदी?



वैश्विक व्यवस्था पर भी देखने को मिलने लगा है। शहरों की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। पेट्रोल, डीजल, गैस और बिजली संकट का असर सभी क्षेत्रों पर पड़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु के सिर में जिस तरह से युद्ध का पागलपन सवार है, इसका असर सारी दुनिया के देशों पर पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही टैरिफ-चार के माध्यम से सारी दुनिया के देशों में हड़कंप मचाया। जिसका असर महंगाई और अर्थव्यवस्था पर पड़ा। ट्रंप की नीतियों के कारण अमेरिका में भी महंगाई और बेरोजगारी तेजी के साथ बढ़ी है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ 3300 से ज्यादा स्थानों पर प्रदर्शन हो रहा है। करीब 90 लाख लोग सड़कों पर उतर आए हैं। अमेरिका की जनता ट्रंप से नाराज है। डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी के सांसद भी नाराज हैं। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से युद्ध को

भड़का रहे हैं, रोजाना तरह-तरह के बयान दे रहे हैं, उसके बाद सारी दुनिया में उन्हें एक साइको और पागल नेता के रूप में देख रही है। ट्रंप के अहंकार से स्थितियां और भी विकराल होती जा रही हैं। इस युद्ध में जिस तरह से अमेरिका के खिलाफ रूस, चीन, ईरान, उत्तर कोरिया सहित सैकड़ों देश अमेरिका के विरोध में खड़े हो गए हैं। उत्तर कोरिया ने अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइल ईजान का सफल परीक्षण कर लिया है। सभी देशों में युद्ध का असर पड़ रहा है। डॉलर मुद्रा को वैश्विक स्तर पर चुनौती मिल रही है। पिछले एक माह से सारी दुनिया के देशों में माल की आवाजाही प्रभावित हुई है। कई देशों में खाद्य-संकट देखने को मिल रहा है। दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका इस समय अंतर्राष्ट्रीय और आंतरिक दृष्टि से सबसे कमजोर नजर आ रहा है। अमेरिका और इजरायल ने सैन्य उपकरणों और सैन्य व्यवस्था को

जो व्यक्ति अपने जीवन में शांति और संतुलन चाहता है, उसे इन विकारों का त्याग करना चाहिए। महावीर का यह संदेश आज के तनावपूर्ण जीवन में अत्यंत उपयोगी है, जहां मानसिक अशांति और असंतुलन तेजी से बढ़ रहा है।

महावीर स्वामी ने समानता और मानवता का भी अद्वितीय संदेश दिया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जन्म से नहीं बल्कि कर्म से व्यक्ति महान बनता है। यदि कोई उच्च कुल में जन्म लेकर भी बुरे कर्म करता है तो वह श्रेष्ठ नहीं हो सकता जबकि निम्न कुल में जन्म लेने वाला व्यक्ति यदि सदाचार और सद्बिचार से सजगता है तो वह सम्मान का अधिकारी है। यह विचार सामाजिक समरसता और समानता की नींव को मजबूत करता है। उनकी दृष्टि में सेवा भी सर्वोच्च धर्म है। रोगियों और जरूरतमंदों की सेवा को उन्होंने ईश्वर की सेवा से भी बढ़कर बताया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि स्त्री और पुरुष दोनों समान रूप से मुक्ति के अधिकारी हैं, जो उनके प्रगतिशील और समतामूलक विचारों को दर्शाता है।

आज जब समाज हिंसा, असहिष्णुता और नैतिक पतन की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब भगवान महावीर की अमृतवाणी हमें आत्मशुद्धि, सह-अस्तित्व और शांति का मार्ग दिखाती है। यदि हम उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात कर लें तो न केवल व्यक्तिगत जीवन में संतुलन और शांति स्थापित हो सकती है बल्कि समाज में भी सद्भाव, करुणा और अहिंसा की स्थापना संभव है। यही महावीर स्वामी के संदेश की वास्तविक सार्थकता है, जो युगों-युगों तक मानवता का मार्गदर्शन करती रहेगी।

लेकर, दुनिया के देशों के सामने जो हैआ खड़ा करके दादागिरी करते थे, ईरान युद्ध में उनका पदाभ्यास हो गया है। अमेरिका और इजरायल के महंगे सैन्य उपकरण और सुरक्षा व्यवस्था को ईरान ने तबाह कर दिया है। ईरान ने उन सभी दावों को चुनौती देते हुए जिस तरह से इजरायल और अरब देशों के अमेरिकी सैन्य अड्डों को ध्वस्त किया है, उसके बाद अमेरिका और इजरायल की जो दादागिरी थी, वह एक तरह से खत्म होने के कगार पर खड़ी है। जो देश इस युद्ध में शामिल नहीं है, उन्हें भी कई मोर्चों में संघर्ष करना पड़ रहा है। उन देशों में भी महंगाई- बेरोजगारी के साथ आर्थिक संकट बढ़ रहा है। अर्थव्यवस्था का संकट वैश्विक स्तर पर जिस तरह से देखने को मिल रहा है, आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है जल्द ही वैश्विक स्तर पर महामंदी फैलने का खतरा बन गया है। दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी के कारण अब अर्थव्यवस्था का वर्तमान स्वरूप पूरी तरह से छिन्न-भिन्न हो जाएगा। वैश्विक व्यापार संधि के बाद दुनिया के देशों में जिस तरह से विकास, बाजारवाद एवं कर्ज के माध्यम से आर्थिक विकास हुआ था, उसके कारण वर्तमान स्थिति में सभी देशों के ऊपर भारी कर्ज है। सभी देशों की अर्थ व्यवस्था में बड़ा दबाव है। रही-सही कसर इस युद्ध ने पूरी कर दी है। 1 माह में सभी दुनिया के देशों को ऊर्जा संकट और व्यापारिक गतिविधियों को जो नुकसान हो रहा है, उसकी भरपाई जल्द संभव नहीं होगी। युद्ध जल्दी ही बंद नहीं हुआ, तो इसके भीषण परिणामों की कल्पना नहीं की जा सकती है। इससे सारी दुनिया के देशों की चिंता बढ़ती चली जा रही है। सारी दुनिया के देशों में महंगाई, बेरोजगारी और सामानों की उपलब्धता को लेकर अराजकता का माहौल बन रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, सामाजिक विकास में आर्थिक व्यवस्था का सबसे बड़ा योगदान होता है। पिछले 30 वर्षों में जिस तरह से बाजारवाद का असर सारी दुनिया के देशों में हुआ है। कर्ज की अर्थव्यवस्था सारी दुनिया के देशों में फैली है। इसका बुरा असर जल्द ही सारी दुनिया को आर्थिक महामंदी के रूप में देखने को मिल सकता है।

संक्षिप्त समाचार

क्यूबा पर अमेरिकी प्रतिबंध : विदेश मंत्रि रोज़िगंज ने ईंधन नाकेबंदी और आर्थिक दबाव पर साधा निशाना

हवाना, एजेंसी। क्यूबा और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। क्यूबा ने अमेरिका पर ईंधन आपूर्ति को लेकर झूठ बोलने का गंभीर आरोप लगाया है। क्यूबा के विदेश मंत्री रोज़िगंज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि अमेरिका के दावे उसकी अपनी नीतियों और आदेशों से मेल नहीं खाते। उन्होंने 29 जनवरी के एक कार्यकारी आदेश और उसके बाद उठाए गए कदमों का हवाला देते हुए कहा कि यह क्यूबा पर झूठे ईंधन नाकेबंदी है। रोज़िगंज के मुताबिक, अमेरिका ने सिर्फ क्यूबा को तेल देने वाले देशों और कंपनियों को प्रतिबंध की धमकी दे रहा है, बल्कि तेल टैंकरों को भी निशाना बना रहा है। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन की नीति का मकसद क्यूबा की अर्थव्यवस्था को कमजोर करना, विकास रोकना, आय के स्रोत खत्म करना और बाजार व तकनीक तक उसकी पहुंच सीमित करना है। दरअसल, क्यूबा दशकों से अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना कर रहा है, जिसके चलते देश गंभीर आर्थिक और ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने भी चेतावनी दी है कि ईंधन की भारी कमी क्यूबा को मानवीय संकट की ओर धकेल रही है। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा को लेकर एक विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा, 'अगला नंबर क्यूबा का है, लेकिन मीडिया से कहता हूँ कि इस बात को तेल उत्पादन करने'। यह बयान उन्होंने मियामी, फ्लोरिडा में आयोजित प्युवर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव सम्मेलन में दिया। यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका पहले ही वेनेजुएला और ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर चुका है। 13 जनवरी को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लिया गया था, जबकि 28 फरवरी से ईरान पर हमले जारी हैं। इससे पहले भी राष्ट्रपति ट्रंप कह चुके हैं कि क्यूबा जल्द गिरने वाला है, हालांकि फिलहाल उनका ध्यान ईरान पर केंद्रित है।

व्हाइट हाउस ने लॉन्च किया नया मोबाइल ऐप, अब ट्रम्प को सीधे मैसेज भेज सकेंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को 'व्हाइट हाउस ऐप' नाम से एक नया मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। इसका मकसद लोगों तक सरकारी की जानकारी सीधे पहुंचाना और पारंपरिक मीडिया के बजाय सीधे संवाद को बढ़ावा देना है। इस ऐप में 'न्यूज' सेक्शन दिया गया है, जहां सरकारी बयान और आधिकारिक अपडेट मिलेंगे। इसके अलावा फोटो गैलरी और सोशल मीडिया सेक्शन भी मौजूद है, जिसमें व्हाइट हाउस की गतिविधियां एक ही जगह पर देखी जा सकती हैं। ऐप में लोगों के लिए सीधे जुड़ने के कई विकल्प भी दिए गए हैं। यूजर्स ट्रम्प को सीधे मैसेज भेज सकते हैं, सवाल पूछने के लिए फॉर्म भर सकते हैं और नियमित अपडेट पाने के लिए सब्सक्रिप्शन ले सकते हैं। इसके अलावा ऐप में 'आईसीडी टिप लाइन' फीचर भी जोड़ा गया है, जिससे लोग इमिग्रेशन और कस्टम विभाग को सीधे जानकारी दे सकते हैं। व्हाइट हाउस को मुताबिक, इस ऐप के जरिए यूजर्स को लाइव वीडियो, तुरंत अपडेट और बिना किसी फिल्टर के जानकारी मिलेगी। यह ऐप ऐसे समय पर लॉन्च हुआ है, जब अमेरिका में ट्रम्प की लोकप्रियता में गिरावट देखी जा रही है। एक सर्वे के मुताबिक उनकी अगुआई 41% है, जबकि 59% लोग उनके कामकाज से संतुष्ट नहीं हैं।

बैथ आयरन वर्क्स में हड़ताल खत्म, कर्मचारियों ने अनुबंध मंजूर किया

ओरेगन, एजेंसी। पोर्टलैंड के मेन में बैथ आयरन वर्क्स के कर्मचारियों ने एक सप्ताह की हड़ताल के बाद नए अनुबंध को मंजूरी दे दी। हड़ताल समाप्त होने के बाद काम तुरंत शुरू हो गया। हड़ताल में शामिल कर्मचारी बैथ मरीन ड्राफ्ट्समेन एसोसिएशन के सदस्य थे। नए अनुबंध की अवधि चार साल की है। यूनियन के अनुसार, इन कर्मचारियों में डिजाइनर, तकनीकी कर्मी, तैब तकनीशियन और सहायक इंजीनियर शामिल हैं। बैथ आयरन वर्क्स अमेरिका की मुख्य नौसेना शिपबिल्डिंग कंपनी है। यह कंपनी अली बर्क-वलास डिस्ट्रीब्यूटिव बनाती है, जिसे नौसेना की सहाई फ्लीट की रीढ़ माना जाता है। हड़ताल अमेरिका-ईरान युद्ध और रक्षा निर्माण बढ़ाने की आवश्यकता के बीच हुई थी।

यूक्रेन पर रूसी झूठों का बड़ा हमला अस्पताल और गैस संयंत्र तबाह

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन पर लगातार झूठे हमले कर रही तबाही मचाई है। शनिवार को यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि इन हमलों में चार लोगों की मौत हो गई और एक अस्पताल, गैस उत्पादन सुविधाओं और पोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचा है। वायुसेना और गुप्तचर, रूस ने 273 ड्रोन दाम, जिनमें से 252 मार गिराए गए। ओडेसा क्षेत्र में दो लोगों की मौत हुई और एक बच्चे सहित 12 घायल हो गए।

ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका-इजरायल पर विश्वविद्यालयों को 'जानबूझकर' टारगेट करने का लगाया आरोप

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच जारी संघर्ष की वजह से दुनिया के दूसरे देशों में तनाव बढ़ता जा रहा है। दोनों तरफ से हमले जारी हैं। इस बीच ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका और इजरायल पर ये आरोप लगाया है कि दोनों देश जानबूझकर विश्वविद्यालयों पर हमले कर रहे हैं। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इमसाहल बघाई ने अमेरिका और इजरायल पर आरोप लगाया है कि उन्होंने युद्ध के दौरान जानबूझकर कई विश्वविद्यालयों और रिसर्च सेंटर पर हमला किया। इन हमलों में इस्फ़हान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी उन कई यूनिवर्सिटी और रिसर्च सेंटर में से सिर्फ दो हैं जिन पर हमलावरों ने पिछले 30 दिनों में जानबूझकर हमला किया है। ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम और आने वाले खतरे का मुकाबला करना सिर्फ झूठे बहाने थे, सिर्फ मनमंजूर बातें जो उनके असली इरादे को छिपाने के लिए बनाई गई थीं। 'इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में अमेरिका और इजरायल की ओर से की गई राई कार्रवाई की घोर निंदा की थी। उन्होंने कहा, 'ईरान के ऊपर दो न्यूक्लियर सरकारों यानी अमेरिका और इजरायल की तरफ से

ईरान युद्ध के बीच अमेरिका तक हमला करने की योजना बना रहा उत्तर कोरिया

प्योंगयांग, एजेंसी। ईरान और अमेरिका-इजरायल में जारी युद्ध के बीच ही उत्तर कोरिया भी सीधे अमेरिका तक वार करने वाली मिसाइल तैयार करने में जोर-शोर से जुटा हुआ है। रविवार को ही किम जोंग उन के सामने ही सॉलिड प्यूल् इंजन का टेस्ट किया गया है जिसका इस्तेमाल मिसाइलों में किया जाएगा। उत्तर कोरिया चाहता है कि वह अमेरिका की धरती तक सीधा वार कर सके।



कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल तैयार करना है। हाल के सालों में उत्तर कोरिया ने ऐसे कई इशारों का परीक्षण किया है जो कि अमेरिका के मेनलैंड में हमला करने में सक्षम हों। पर्यवेक्षकों का कहना है कि इंजन की शक्ति बढ़ने की यह क्रांति सफल है। उत्तर कोरिया ने इसे ही एक इंजन का टेस्ट किया था जिसमें 1900 किलोटन भार ले जाने की क्षमता थी। जानकारों का कहना है कि उत्तर कोरिया अमेरिका को सीधी चुनौती देता है और इस्तिाह वह अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाने में लगा है। उत्तर कोरिया चाहता है कि वह सीधा अमेरिका तक हमला करने में सक्षम हो जाए। केसीएनए ने यह नहीं बताया कि यह टेस्ट कहाँ और कितने बजे किया गया। उत्तर कोरिया पांच साल का एक सैन्य शक्ति अभियान चला रहा है। इसका उद्देश्य परमाणु क्षमता, इंटर

1,971 किलोटन से अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस शक्ति वृद्धि का उद्देश्य एक ही मिसाइल पर कई आयुध लगाने की क्षमता बढ़ाना और अमेरिकी रक्षा प्रणाली को भेदने की संभावना बढ़ाना है। हालांकि केसीएनए ने परीक्षण को सटीक तिथि और स्थान नहीं बताया।

अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइलें केसीएनए ने बताया कि यह परीक्षण उत्तर कोरिया के पांच-वर्षीय सैन्य विस्तार कार्यक्रम के तहत किया गया, जिसमें सामरिक हमले के साधनों को उन्नत करना शामिल है। किम ने कहा कि नवीनतम इंजन परीक्षण देश की सामरिक सैन्य ताकत को सर्वोच्च स्तर पर ले जाने में महत्वपूर्ण है। पिछले कई सालों में उत्तर कोरिया ने अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों के विभिन्न परीक्षण किए हैं, जिनमें टोस इंधन वाली मिसाइलें भी शामिल हैं। टोस प्रणोदक वाली मिसाइलें प्रक्षेपण से पहले पहचानने में अधिक कठिन होती हैं, जिससे अमेरिकी रक्षा प्रणाली के लिए चुनौती बढ़ जाती है। ईरान में बाद उत्तर कोरिया नई मूसीबत ईरान के साथ चल रहे संघर्ष में गंभीर नुकसान झेल रहे डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के लिए अब उत्तर कोरिया एक नई चुनौती बन सकता है। लगातार मिसाइल और हथियार परीक्षण कर रहे किम जोंग उन की गतिविधियों के कारण कोरियाई प्रायद्वीप पर अक्सर तनावपूर्ण स्थिति बनी रहती है।

सैटेलाइट तस्वीरों को लेकर जेलेंस्की का बड़ा दावा, कहा- ईरान की मदद कर रहा है रूस?

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने एक बड़ा दावा करते हुए कहा है कि रूस ने सऊदी अरब में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे की उपग्रह तस्वीरें हमले से ठीक पहले कई बार ली थीं और यह जानकारी ईरान के साथ साझा की गई हो सकती है। इस दावे ने पहले से ही तनावपूर्ण अंतरराष्ट्रीय माहौल को और गंभीर बना दिया है। जेलेंस्की के अनुसार, यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में यह सामने आया है कि रूस के सैटेलाइट ने प्रिंस सुल्तान एयूबेस की 20 मार्च, 23 मार्च और 25 मार्च को तस्वीरें ली थीं। इसके ठीक एक दिन बाद 26 मार्च को ईरान ने इस एयरबेस पर हमला किया। बताया गया है कि इस हमले में ईरान ने छह बैलिस्टिक मिसाइलें और 29 ड्रोन दाम। इस हमले में कम से कम 15 सैनिक घायल हुए, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई गई है। यह एयरबेस अमेरिका और सऊदी अरब दोनों की सेनाओं के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक डिब्बाना है। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के अनुभव

के अनुसार, रूस द्वारा किसी स्थान की बार-बार सैटेलाइट इमेजिंग करना संभावित हमले का संकेत होता है। उन्होंने कहा, 'अगर वे एक बार तस्वीर लेते हैं तो तैयारी होती है, दूसरी बार लेते हैं तो वह अभ्यास जैसा होता है और तीसरी बार का मतलब है कि एक-दो दिनों में हमला हो सकता है। हालांकि, इस दावे के समर्थन में अभी तक कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य सार्वजनिक नहीं किया गया है और यह भी स्पष्ट नहीं है कि यूक्रेन ने यह जानकारी कैसे प्राप्त की। फिर भी इस बयान को वैश्विक स्तर पर गंभीरता से लिया जा रहा है, क्योंकि इससे रूस और ईरान के बीच संभावित सैन्य सहयोग की आशंकाएं बढ़ती हैं। जेलेंस्की इस समय खाड़ी देशों के दौर पर हैं, जहां वे अपने देश की एयर डिफेंस प्रणालियों को समझा कर और सहयोग बढ़ाने के लिए समझौते करने की कोशिश कर रहे हैं। यूक्रेन की ये प्रणालियां रूस के साथ चल रहे युद्ध में परखी जा चुकी हैं और अब उन्हें ईरानी मिसाइल और ड्रोन खतरों का सामना कर रहे देशों के लिए उपयोगी बताया जा रहा है।

ईरान युद्ध के बीच अमेरिका में निकली ट्रंप के खिलाफ रैली

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष के बीच अमेरिका और यूरोप में हजारों लोगों ने सड़कों पर उतरकर 'नो किंग' नाम से बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए। ये प्रदर्शन डोनाल्ड की नीतियों खासकर ईरान के साथ चल रहे युद्ध और उनकी आक्रामक राजनीतिक शैली के खिलाफ आयोजित किए गए। इन रैलियों ने न केवल अमेरिका बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी व्यापक ध्यान आकर्षित किया है।



प्रदर्शनकारियों का कहना है कि ट्रंप के फैसलों ने मध्य-पूर्व में तनाव बढ़ा दिया है, जिससे वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल आया है और दुनिया भर में आर्थिक अनिश्चितता बढ़ी है। कई अर्थशास्त्रियों ने आशंका जताई है कि इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में भीमी वृद्धि, महंगाई में तेजी और यहां तक कि स्टेगफ्लेशन जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। इन विरोध प्रदर्शनों का केंद्र अमेरिका का मिनेसोटा राज्य है, जहां हजारों लोगों एकजुट होकर ट्रंप की इमिग्रेशन नीति के खिलाफ

खड़े नजर आए। लोगों ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के रूप में पेश किया और सरकार की नीतियों को चुनौती दी। 'नो किंग' रैलियों के आयोजकों के अनुसार, इससे पहले जून और अक्टूबर में हुए प्रदर्शनों में क्रमशः 50 लाख और 70 लाख लोग शामिल हुए थे। इस बार करीब 90 लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद जताई गई थी, हालांकि वास्तविक आंकड़े अभी स्पष्ट नहीं हैं। इन प्रदर्शनों में आब्रजन नीति, ट्रांसजेंडर अधिकारों में कटौती और ईरान युद्ध जैसे प्रमुख मुद्दे। इस बीच, मशहूर अमेरिकी गायक ब्रूस

निकालते दिखे। प्रदर्शनकारियों के हथों में 'पूट डाउन द क्राउन' और 'सत्ता परिवर्तन की शुरुआत घर से होती है' जैसे नारे लिखे पोस्टर थे।

लॉस एंजिल्स में स्थिति कुछ तनावपूर्ण हो गई, जहां पुलिस ने एक संघीय डिस्ट्रिक्ट सेंटर के पास आसू गैस का इस्तेमाल किया और कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया। वहीं न्यूयॉर्क सिटी में नायफ़ अधिकार संगठनों ने सरकार पर लोगों को डराने का आरोप लगाया। इन प्रदर्शनों की गूंज यूरोप में भी सुनाई दी। रोम, लंदन और पेरिस सहित कई शहरों में लोगों ने मार्च निकालकर ट्रंप की नीतियों और ईरान युद्ध का विरोध किया। रोम में प्रदर्शनकारियों ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलेनी के खिलाफ भी नारे लगाए, जबकि लंदन में 'स्टॉप द फार राइट' जैसे संदेश देखने को मिले। व्हाइट हाउस ने इन प्रदर्शनों को खारिज करते हुए कहा कि ये वामपंथी संगठनों द्वारा प्रायोजित हैं और आम जनता का इनसे ज्यादा संबंध नहीं है।

अमेरिकी संसद ने खोली पोल, कहा- पाकिस्तान में बैठें हैं भारत पर हमला करने वाले आतंकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अपनी आतंकवादी गतिविधियों को लेकर पाकिस्तान एक बार फिर बेनकाब हो गया है। अमेरिकी संसद की रिसर्च यूनिट अमेरिकी कांग्रेस अनुसंधान सेवा की एक ताजा रिपोर्ट ने भारत की उन आरोपों को और बल दिया है जिनमें पाकिस्तान से संचालित आतंकी संगठनों की गतिविधियों को लेकर लंबे समय से सवाल उठाए जाते रहे हैं। खासतौर पर जम्मू-कश्मीर से जुड़े आतंकवादी नेटवर्क पर इस रिपोर्ट ने गंभीर टिप्पणी की है।



रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की जमीन से भारत और खासकर कश्मीर में कई आतंकी संगठन अब भी सक्रिय हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हरकत-उल मुजाहिदीन और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठन शामिल हैं। ये सभी भारत की सुरक्षा के लिए लगातार खतरा बने हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान लंबे समय से विभिन्न आतंकी संगठनों का केंद्र रहा है, जिनमें से कई 1980 के दशक से सक्रिय हैं। हालांकि पाकिस्तान ने इन पर कार्रवाई के लिए कई सैन्य अभियान और नीतिगत कदम उठाए हैं, लेकिन इन संगठनों को पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सका है। आपको बता दें कि यह रिपोर्ट दक्षिण एशिया विशेषज्ञ के एलन क्रोनस्टाइट द्वारा तैयार की गई है। इस रिपोर्ट का उद्देश्य अमेरिकी सांसदों को क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति से अवगत कराना है। इसमें आतंकी संगठनों की पांच श्रेणियों में बांटा गया है। वैश्विक, अफगानिस्तान केंद्रित, भारत (कश्मीर) केंद्रित, पेरलू और सांप्रदायिक विशेषकर शिया

पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख कमर बाजवा की मौत बाथरूम में फिसलने से सिर में गंभीर चोट आई थी, 1 महीने से हॉस्पिटल में थे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा का 65 साल की उम्र में शनिवार को निधन हो गया। फरवरी में घर के बाथरूम में फिसलने के बाद उच्च सिर में गंभीर चोट लगी थी, जिसके बाद रावलपिंडी के मिलिट्री अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था और वे आईसीयू में भर्ती थे। डॉक्टरों ने उनकी सजीरी की थी। शुरुआत में डॉक्टरों ने सजीरी को सफल बताया था, लेकिन उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी और लगातार निगरानी में रखा गया था। बाजवा 2016 से 2022 तक पाकिस्तान के सेना प्रमुख रहे और रिटायरमेंट के बाद भी देश की राजनीति और सुरक्षा मामलों में प्रभावशाली माने जाते थे। इमरान खान के साथ विवादों की

वजह से चर्चा में थे कमर जावेद बाजवा पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ विवाद को लेकर काफी चर्चा में रहे थे। युद्धआत में दोनों के रिश्ते अच्छे थे, लेकिन बाद में हालात पूरी तरह बदल गए। जब 2018 में इमरान खान प्रधानमंत्री बने, तब कहा जाता था कि सरकार और सेना 'एक पेज' पर हैं। माना जाता है कि उस समय बाजवा के नेतृत्व में सेना का इमरान सरकार को समर्थन था और दोनों के बीच तालमेल ठीक था। लेकिन 2021 में आईएसआई प्रमुख की नियुक्ति को लेकर दोनों के बीच मतभेद शुरू हो गए। सेना चाहती थी कि नदीम अजुम को तुरंत ISI चीफ बनाया जाए, जबकि इमरान खान इस फैसले को टाल रहे थे। यहीं से दोनों के रिश्तों में दरार आनी

शुरू हो गई। इसके बाद 2022 में इमरान खान की सरकार गिर गई। इमरान खान ने आरोप लगाया कि सेना ने उनका साथ छोड़ दिया और विपक्ष को समर्थन दिया। हालांकि सेना ने इन आरोपों से इनकार किया। सरकार जाने के बाद इमरान खान ने खुलकर बाजवा और सेना की आलोचना शुरू कर दी। उनके 'न्यूट्रल तो जानवर होता है' वाले बयानों ने इस विवाद को और बढ़ा दिया। 6 साल में अरबपति हो गया था बाजवा का परिवार कदम कदम बाजवा के रिटायरमेंट के बाद उनकी फैमिली की संपत्ति को लेकर भी बड़ा विवाद हुआ था। 2022 में पाकिस्तानी पत्रकार अहमद नूरानी की रिपोर्ट में कहा गया था उनके परिवार की संपत्ति महज 6 साल में तेजी से

बढ़कर अरबों में पहुंच गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, बाजवा के रिश्तेदारों और करीबियों ने कराची और लाहौर जैसे बड़े शहरों में फार्म हाउस बनाए, बड़े बिजनेस शुरू किए और विदेशों में भी प्रॉपर्टी खरीदी। रिपोर्ट में कहा गया कि इन सभी संपत्तियों की कुल कीमत करीब 1200 करोड़ पाकिस्तानी रुपए से ज्यादा हो सकती है। यह प्रॉपर्टी मुख्य रूप से उनकी पत्नी आयशा अमजद, बहु महनूर साबिर और परिवार के अन्य करीबी लोगों के नाम पर बताई गई। रिपोर्ट के अनुसार, 2015 तक आयशा अमजद के नाम कोई प्रॉपर्टी नहीं थी, लेकिन 2016 में अचानक कई प्रॉपर्टी खरीदी गई और उनकी संपत्ति तेजी से बढ़ गई।

जबरदस्ती एक गैर-कानूनी युद्ध थोप दिया

लेकर अमेरिका की कही जा रही वित्तों को हल करने के मकसद से एक डिप्लोमैटिक प्रक्रिया में लगे हुए थे। नौ महीने में दूसरी बार, उन्होंने बातचीत को रोककर और पटरी से उतारकर डिप्लोमैसी को धोखा



दिया। 'उन्होंने कहा कि इस हमले के सबसे डरावने उदाहरणों में से एक दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर में राजशेर तैयबेह हद्रमी स्कूल पर किया गया हमला था, जहां 175 से ज्यादा स्टूडेंट्स और टीचर्स को जानबूझकर और बेरहमी से मार डाला गया था। अगर वो यह कहते हैं कि ये हमला जानबूझकर और पहले से प्लान किया गया नहीं था, तो इसे माना नहीं जाना चाहिए। अराघची ने कहा कि स्कूल को टारगेट करना एक बड़ा क्राइम और इंमानिटी के खिलाफ एक ऐसा अपराध है जिसकी सभी को साफ और बिना शर्त निंदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'राजशेर तैयबेह हद्रमी स्कूल इस गैर-कानूनी युद्ध के पिछले 27 दिनों में अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए धिनोने जुगों का अकेला शिकार नहीं है। हमलावरों ने मानवाधिकार और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का बड़े पैमाने पर और सिस्टमैटिक तरीके से और बहुत बेरहम तरीके से उल्लंघन किया है।

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स का मुकाबला

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को गुजरात टाइटंस का मुकाबला पंजाब किंग्स से होगा। इस मैच से दोनों ही टीमों अपने अभियान को शुरू रखें हैं और ऐसे में दोनों का ही प्रयास जीत हासिल करना रहेगा। गुजरात की कप्तानी शुभमन गिल जबकि पंजाब की श्रेयस अय्यर की कप्तानी में फाइनल तक पहुंचे थे, ऐसे में उनका लक्ष्य इस बार टीम को जीत दिलाना रहेगा। वहीं दूसरी ओर गुजरात का प्रदर्शन पिछली बार अच्छा नहीं रहा था, ऐसे में शुभमन इस बार टीम को जीत दिलाने के पूरे प्रयास करेंगे। शुभमन का लक्ष्य बेहतर बल्लेबाजी कर ये दिखाना भी रहेगा कि वह टी20 में भी एक अच्छे बल्लेबाज है। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच कुल 6 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से दोनों ही टीमों ने 3-3 मुकाबले जीते हैं। पिछले सत्र में पंजाब जीती थी और इस बार गुजरात उस हार का बदला लेना चाहेगी। पंजाब को इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। पंजाब की बल्लेबाजी श्रेयस के अलावा प्रभसिमन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस और निहाल वडेरा पर रहेगी। वहीं

गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन गिल के अलावा साह सुदर्शन, जोस बटलर पर आधारित रहेगी। गुजरात ने इस बार अनुभवी ऑलराउंडर जसन होल्डर के अलावा टॉम बेंटन, ल्यूक वुड जैसे खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया। जिसका उसे कितना लाभ मिलता है ये देखना होगा। उसके पास राशिद खान जैसे स्टार स्पिनर भी हैं। 18 करोड़ रुपये और गिल को 16.5 करोड़ रुपये में रिटर्न किया था। शुभमन गिल का टी20 करियर का स्ट्राइक रेट 138 है लेकिन पिछले साल उन्होंने 155 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। हार्दिक पंड्या के जाने के बाद से गिल ने कप्तानी की जिम्मेदारी अच्छी तरह से संभाली है। अपने पदापन वर्ष 2022 में खिताब जीतने वाली गुजरात टाइटंस पिछले साल तीसरे स्थान पर रही। एक बार फिर टीम काफ़ी संतुलित लग रही है। सलामी बल्लेबाज गिल और साह सुदर्शन सबसे बड़ी ताकत हैं। सुदर्शन ने पिछले सत्र में सर्वाधिक 759 रन बनाए थे। वह पसली के फेंकर से उबरकर लौट रहे हैं लेकिन घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन किया है। गुजरात के पास विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र जैसे विकल्प भी हैं जिन्होंने संयद सुरताक अली टूर्नामेंट में 160 से ऊपर की



स्ट्राइक रेट से रन बनाये थे। दूसरी ओर पंजाब किंग्स के लिए एक बार फिर श्रेयस पर बहुत कुछ निर्भर करना जो तीन अलग अलग टीमों को आईपीएल फाइनल तक ले जा चुके हैं। उनकी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स 2020 में और पंजाब पिछले सत्र में फाइनल तक पहुंची जबकि केकेआर ने 2024 में खिताब जीता था। पिछले सत्र में उन्होंने 175 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 604 रन बनाए थे। पंजाब का मजबूत पक्ष सलामी बल्लेबाज प्रभसिमन सिंह और प्रियांशु आर्य जैसे आक्रामक

टीम इस प्रकार है

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), निहाल वडेरा, विष्णुविनोद, हर्नूर पत्रू, पाइला अविनाश, प्रभसिमन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, हरप्रीत बरार, मार्को यानसेन, अजमलखन उमरजद, प्रियांशु आर्य, मुशीर खान, सूर्यांशु शेडगे, मिच ओवेन, कूपर कोनोली, बेन ड्वारसुडस, अशदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, विशाख विजयकुमार, यश उठ्कर, जेवियर बार्टलेट, प्रवीण दुबे और विशाल निषाद।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साह सुदर्शन, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, टॉम बेंटन, र्लेन फिलिप्स, निशांत सिंधू, वांशिगटन सुंदर, मोहम्मद अरशद खान, साह किशोर, जयंत यादव, जैसन होल्डर, राहुल तेवतिया, शाहरुख खान, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुतार, गुनरू सिंह बरार, इयंत शर्मा, अशोक शर्मा, ल्यूक वुड, कुलवंत हेजोरलिया, राशिद खान।

जैमिक सिनर ने जीता मियामी ओपन का खिताब, फाइनल में जेरी लेहेका को हराया



मियामी (एजेंसी)। मियामी, 30 मार्च (वेब वार्ड)। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैमिक सिनर ने मियामी ओपन का खिताब जीत लिया है। उन्होंने फाइनल मुकाबले में चेक गणराज्य के जेरी लेहेका को 6-4, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ ही सिनर ने 'सनशाइन डबल' भी पूरा किया।

जैमिक सिनर फाइनल में जेरी लेहेका को 6-4, 6-4 से हराकर 2017 में रोजर फेडरर के बाद एक ही सीजन में इंडियन वेल्स और मियामी जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए। इसके अलावा, सिनर दोनों इवेंट्स में एक भी सेट गंवाए बिना यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी हैं। 24 साल के सिनर ने अपने करियर में पहली बार इंडियन वेल्स जीता और 'सनशाइन डबल' जीतने वाले आठवें पुरुष खिलाड़ी बने। नोवाक जोकोविच और फेडरर ने कई मौकों पर यह उपलब्धि हासिल की है।

जिम कूरियर (1991), माइकल चांग (1992), पीट संप्रास (1994), मार्सेलो रिओस (1998), आंद्रे आगसी (2001), रोजर फेडरर (2005-06) और नोवाक जोकोविच (2011, 2014-16) वो खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने सिनर से पहले सनशाइन डबल पूरा किया है। इस खास उपलब्धि को हासिल करने के बाद सिनर ने कहा, 'यह कुछ ऐसा है

300 मैच खेलने वाली पहली फेंचाइजी टीम बनी मुंबई इंडियंस

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ पहले ही मैच में उतरने के साथ ही अपने 300 मैच पूरे कर नया रिकार्ड अपने नाम किया है। अब मुंबई की टीम आईपीएल में 300 मैच खेलने वाली पहली टीम बन गयी है। इस मैच में केकेआर के खिलाफ मुंबई ने सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने के साथ ही जीत दर्ज कर एक नया रिकार्ड भी बनाया है। आईपीएल ही नहीं विश्व की कोई अन्य फेंचाइजी टीम 300 मैच नहीं खेल पायी है। केर मुंबई ने केकेआर के खिलाफ मैच में उतरने के साथ ही अपना 278वां आईपीएल मैच खेला। वहीं इससे पहले उसने 22 मुकाबले वियिंग लीग टी20 में खेले थे। इस तरह अब तक कुल 300 टी20 मैच मुंबई इंडियंस ने खेले हैं।

हॉकी इंडिया ने सीनियर महिला नेशनल कोचिंग कैंप के लिए 31 सदस्यीय दल घोषित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम के आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों को देखते हुए अगले माह 1 से 9 अप्रैल 2026 नेशनल कोचिंग कैंप आयोजित किया है। इस कैंप के लिए 31 सदस्यीय भारतीय दल का चयन किया गया है। इस कैंप के लिए गोलकीपिंग इकाई में सविता, माधुरी किडो, बंसरी सालंकी और बिचू देवी खारिबाम हैं। वहीं डिफेंस लाइनअप में निक्की प्रधान और उदिता जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को रखा गया है। इसके साथ ही इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथलतुआंगी और शिल्पी डबास भी हैं, जो बैक में काफी गहराई देती हैं। मिडफील्ड में कैप्टन सलीमा टेटे, सुशीला चानू पुखरामम, मनीषा चौहान, वैष्णवी विठ्ठल फाल्के और नेहा हैं। इनके साथ-साथ सुनीता टोपो और इशिका जैसे उभरते हुए टैलेंट का साथ मिला। फॉरवर्ड लाइन में नवनीत कौर शामिल हैं। इसके साथ ही दीपिका, लालेश्वरिया, मुनाजत खान, दीपिका सोहन, रुतजा मुदासा पिसल, बलजीत कौर, अन्नू, ब्रिटी डुंगुड, हिना बानो, सोनम और

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान निकी प्रसाद के साथ किया करार

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय समूह जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने भारत की आईसीसी महिला अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप 2025 विजेता टीम की कप्तान निकी प्रसाद के साथ करार करने की घोषणा की है। महज 20 वर्ष की उम्र में निकी ने अपने उत्कृष्ट नेतृत्व और लगातार शानदार प्रदर्शन से खुद को भविष्य की एक बड़ी स्टार खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है। एक शांत और संयमित लीडर के रूप में निकी ने मात्र नौ वर्ष की आयु में अंडर-16 स्तर पर पदार्पण किया और दो वर्षों के भीतर कर्नाटक की अंडर-19 टीम में जगह बना ली। 13 वर्ष की आयु में पेशेवर क्रिकेट में कदम रखने के बाद उन्होंने लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उन्होंने भारत को अंडर-19 एशिया कप जिताने में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद मलेेशिया में आयोजित वर्ल्ड कप में टीम की कप्तानी करते हुए खिताब दिलाया। वह महिला

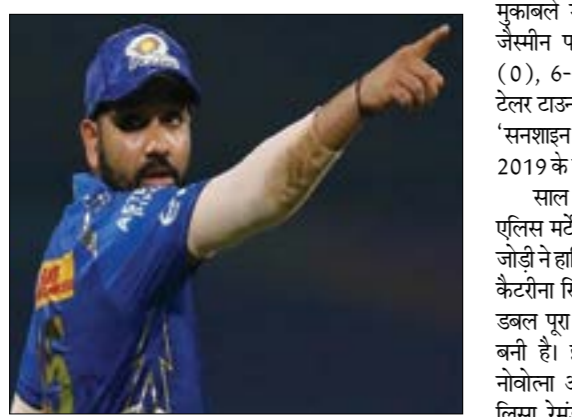
प्रसाद ने कहा, 'जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स परिवार का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह मेरे लिए गर्व का क्षण है कि मैं ऐसी टीम का हिस्सा हूँ, जिसने विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों को लगातार समर्थन और प्रोत्साहन दिया है। युवा प्रतिभाओं पर उनका भरोसा मुझे अपने करियर के अगले चरण के लिए आत्मविश्वास देता है। मैं जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ अपनी नई यात्रा शुरू करने और अपने आने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए उत्साहित हूँ।'

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ, निकी को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं, अनुभवी एथलीट मैनेजमेंट का मार्गदर्शन और समग्र करियर समर्थन मिलेगा, जिससे वह मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह अपनी प्रतिष्ठा जोड़ सकेंगी। यह सहयोग उन्हें जूनियर स्तर की सफलता से सीनियर स्तर पर एक स्थायी और सफल करियर बनाने में मदद करेगा। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ भारत



के कुछ सबसे सफल और उभरते क्रिकेटर जुड़े हुए हैं, जैसे जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, अक्षर पटेल, आंशिका रघुवंशी और सूर्यांशु शेडगे। निकी प्रसाद के जुड़ने से जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स ने वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की क्षमता रखने वाली नई पीढ़ी के भारतीय खिलाड़ियों को पहचानने और उन्हें विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है।

रोहित ने पहले ही मैच में 550 छक्के पूरे किये, कई रिकार्ड भी अपने नाम किये



मुंबई। मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने आईपीएल 2026 सत्र के पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान ही अपने 550 छक्के लगा दिये। इस दौरान रोहित ने कई अन्य रिकार्ड भी बनाये। रोहित ने केवल 23 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। ये उनके आईपीएल करियर का सबसे तेज अर्धशतक भी रहा है। उन्होंने यह अर्धशतक पावरप्ले के अंदर ही पूरा कर लिया। इस पारी में तीन छक्के लगाते ही रोहित ने टी20 क्रिकेट में अपने 550 छक्के भी पूरे किये। इसके साथ ही वह टी20 में 500 से ज्यादा छक्के लगाए जाने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी व विश्व के 9वें खिलाड़ी बन गये हैं। इस पारी के दौरान ही रोहित ने केकेआर के खिलाफ अपने 1100 रन पूरे कर लिए। इसी के साथ ही केकेआर के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले मुंबई के खिलाड़ी बन गये हैं। रोहित शर्मा ने अपने आईपीएल करियर में 50वीं बार 50 से अधिक स्कोर बनाया। इसके साथ वह ऐसा करने वाले चौथे खिलाड़ी बने। विराट कोहली के बाद यह दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं जिसने इतने अधिक अर्धशतक लगाये हैं।

टेलर-कैटरीना की जोड़ी ने जीता मियामी ओपन महिला डबल्स का खिताब

मियामी (एजेंसी)। अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा ने मियामी ओपन महिला डबल्स का खिताब अपने नाम किया। टेलर-कैटरीना की जोड़ी ने फाइनल मुकाबले में इटली की सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी की जोड़ी को 7-6 (0), 6-1 से हराया। इस जीत के साथ टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा 'सनशाइन डबल' पूरा करने वालीं साल 2019 के बाद पहली जोड़ी बन गई हैं।

साल 2019 में यह खास उपलब्धि एलिस मर्टेन्स और आर्याना सवालेंका की जोड़ी ने हासिल की थी। टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा की जोड़ी सनशाइन डबल पूरा करने वाली छठी महिला जोड़ी बनी है। इससे पहले यह मुकाम जाना नोवोला और हेलेना सुकोवा (1990), लिस्सा रमंड और रेने स्टव्स (2002), लिस्सा रमंड और सामंथा स्टोसुर (2006,



2007), मार्टिना हिंगिस और सानिया मिर्जा (2015), एलिस मर्टेन्स और आर्याना सवालेंका (2019) की जोड़ी हासिल कर चुकी हैं। नथासा जेवरवा (1997), हिंगिस (1999), और बेथाना माटेक-सैंड्स (2016) ने अलग-अलग पार्टनर के साथ एक ही साल में दोनों टूर्नामेंट जीते हैं।

मुंबई के खिलाफ ग्रीन ने गेंदबाजी क्यों नहीं की? रहस्यो ने कहा- क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूछिए

मुंबई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने कप्तान अर्जुन रघु ने कैमरून ग्रीन के गेंदबाजी नहीं करने के सवाल पर कहा कि इस बारे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (CA) से पूछिए कि वह क्यों गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। ग्रीन ने टी-20 विश्व कप के बाद से ही गेंदबाजी नहीं की है। सोमवार को सीए ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि ग्रीन पीठ के निचले हिस्से की हल्की चोट से उबर रहे हैं और गेंदबाजी में वापसी को उनकी दायमत्यान इएल से पहले ही KKR को बताना पड़ेगा। CA के प्रवक्ता ने कहा, 'कैमरून के पीठ के निचले हिस्से में चोट है, जिसका इलाज चल रहा है। उन्हें कुछ समय के लिए गेंदबाजी से दूर रहना होगा। वह इस समय भारत में धीरे-धीरे अपनी गेंदबाजी दबाव बढ़ रहे हैं, ताकि करीब 10-12 दिनों में

वापसी कर सकें। चयनकर्ता यह जानकारी दे दी गई है और वे इससे पूरी तरह वाकिफ हैं।' उल्लेखनीय है कि ग्रीन ने सितंबर 2024 से अक्टूबर 2025 तक 12 महाने तक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में गेंदबाजी नहीं की थी, क्योंकि उनकी पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर की सर्जरी हुई थी। कोलकाता नाइट राइडर्स ने ग्रीन को 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा है। गेंदबाजी संयोजन के स्थिर न होने पर रहस्यो ने कहा कि टीम अभी सही संतुलन तलाश रही है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है जब ग्रीन जल्द ही गेंदबाजी शुरू करेंगे, तो संयोजन थोड़ा अलग होगा।' अभी हमें संतुलन देखना है और यह समझना है कि हमारे लिए कौन अच्छे गेंदबाजी कर सकता है। बल्लेबाजी में हमने अच्छे किया, लेकिन गेंद से सही संतुलन ढूंढना बहुत जरूरी है। उम्मीद है ग्रीन जल्द

वैभव सूर्यवंशी ने बताया कौन हैं बचपन के हीरो, युवराज सिंह के अलावा इस विदेशी खिलाड़ी का लिया नाम

गुवाहाटी (असम) (एजेंसी)। भारत के युवा बैटिंग संसेशन वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 सीजन के राजस्थान रॉयल्स (RR) के पहले मैच से पहले अपने बचपन के हीरो के बारे में बात की। उन्होंने क्रिकेट के दिग्गजों ब्रायन लारा और युवराज सिंह को ऐसे क्रिकेटर बताया जिन्हें वह बड़े होते समय पसंद करते थे।



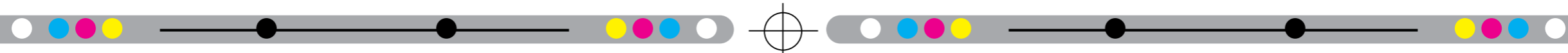
RR अपना IPL 2026 अभियान 30 मार्च को पांच बार के चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के खिलाफ शुरू करेगा। RR के खिताब की दौड़ में ICC अंडर-19 विश्व कप 2026 के विजेता सूर्यवंशी एक अहम भूमिका निभाएंगे। सूर्यवंशी ने 2025 सीजन से पहले, 13 साल की उम्र में IPL 2025 सीजन वाले सबसे

की अकेले दम पर मैच खत्म करने की कानिबलियत के कायल थे, जिसने बड़े होते समय उन पर गहरा असर डाला। सूर्यवंशी ने कहा, 'मैंने ब्रायन लारा और युवराज सिंह, दोनों को अकेले दम पर मैच खत्म करते देखा है। अगर वे क्रीज पर होते थे, तो विरोधी टीम के पास मैच में वापसी करने का कोई मौका नहीं होता था और यही बात मुझे उनके बारे में सबसे ज्यादा पसंद थी।' सूर्यवंशी ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स द्वारा चुने जाने के बाद उनका ध्यान टीम को मजबूत शुरूआत देने, पावरप्ले में आक्रामक खेलने और उन शुरूआत को लंबी पारियों में रनों में बदलने पर है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस सीजन में उनका मुख्य लक्ष्य टीम को खिताब जीतने में मदद करना है, क्योंकि उनका मानना है कि अगर टीम सफल

होती है, तो व्यक्तिगत प्रदर्शन अपने आप ही उभरकर सामने आएंगे। उन्होंने कहा, 'जब मुझे टीम में चुना गया, तो मेरा एकमात्र लक्ष्य टीम को एक अच्छे शुरूआत देना था। मैं पावरप्ले में अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहता था, और अगर मुझे अच्छे शुरूआत मिलती, तो मैं उसे जारी रखते हुए बिना अपना विकेट गंवाए लंबी पारी खेलना चाहता था। मैं सबसे मुझे पता था कि अगर मैं अपने शॉट्स खेलाऊँ, तो मैच का रुख बदल जाएगा, क्योंकि 200 से ज्यादा रनों का पीछा करना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। इस सीजन में लक्ष्य टीम के लिए टूर्नामेंट जीतना है। अगर हम टूर्नामेंट जीतते हैं, तो मेरा और टीम का प्रदर्शन अपने आप ही सुविधों में आ जाएगा और यही सबसे महत्वपूर्ण बात है।'

शीतल देवी को विश्व तीरंदाजी ने 'वर्ष की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज' चुना

लुसाने। भारत की शीतल देवी को विश्व तीरंदाजी ने वर्ष 2025 की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना है। जिनकी असाधारण उपलब्धियों में ऐतिहासिक विश्व चैंपियनशिप खिताब शामिल है। जन्म करमीर की 19 वर्ष की शीतल देवी विश्व पैरा चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली महिला भुजाहीन तीरंदाज बनीं। उन्होंने पिछले साल दक्षिण कोरिया के ग्वानजू में महिला क्वाड्रुपल व्यक्तिगत वर्ग में खिताब जीता था। शीतल भुजाहीन नहीं होने के बावजूद अपने पैर और कंधे का इस्तेमाल करके तीरंदाजी करती हैं। वह विश्व चैंपियनशिप में महिला टीम में रजत और मिश्रित टीम में कांस्य भी जीत चुकी हैं। विश्व तीरंदाजी ने कहा, 'भारत की शीतल देवी को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना गया है जिन्होंने पिछले साल बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विश्व खिताब समेत कई उपलब्धियां हासिल कीं।' शीतल ने 2025 पैरालम्पिक में मिश्रित टीम में कांस्य पदक जीता था। वह एशियाई पैरा खेल 2022 और 2023 एशियाई चैंपियनशिप में व्यक्तिगत रजत जीत चुकी हैं। शीतल ने सोमवार को एक्स पर लिखा, 'दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाजों के साथ नामांकन मिलना और अब विश्व तीरंदाजी द्वारा सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना जाना। इस यात्रे में भी मेला उसकी लिये मेरा दिल कृतज्ञता और भावनाओं से भरा हुआ है।' धन्यवाद !!





सिद्धार्थ आनंद की अगली हॉरर फिल्म का हिस्सा होंगे अभिषेक बच्चन

अभिषेक बच्चन ने अपने अब तक के करियर में अलग-अलग जॉनर की फिल्म की हैं, लेकिन एक खास जॉनर करने से वह चूके गए हैं। अब वह सिद्धार्थ आनंद की अगली हॉरर फिल्म का हिस्सा होंगे। इस फिल्म की कहानी को लेकर भी अपडेट सामने आया है।

इस जॉनर में अभिनय करेंगे अभिषेक बच्चन

'किंग' फिल्म के डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद अपनी मारफिक्स बैनर तले एक हॉरर फिल्म बनाएंगे। इस फिल्म में ही अभिषेक बच्चन अभिनय करेंगे। कहानी के बारे में बात करें तो यह फिल्म एक पिता और बेटी के इमोशनल रिश्ते पर होगी। फिल्म की बड़े स्तर पर वीएफएक्स का काम भी किया जाएगा। वैसे अब तक इस बात की ऑफिशियल अनाउंसमेंट मेकर्स ने नहीं की है।

फिल्म 'किंग' में नेगेटिव रोल कर रहे हैं

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अभिषेक बच्चन फिल्म 'किंग' में नेगेटिव रोल कर रहे हैं। इस फिल्म में शाहरुख खान लीड रोल में हैं। वहीं किंग खान की बेटी सुहाना खान भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म के टीजर में शाहरुख खान एक्शन अंदाज में नजर आए थे।

रोल में एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं अभिषेक

अभिषेक बच्चन के पास एक और फिल्म है, जिसे रिदेश देशमुख ने निर्देशित किया है। फिल्म का नाम 'राजा शिवाजी' है। यह एक ऐतिहासिक फिल्म है जो छत्रपति शिवाजी महाराजा पर होगी। अभिषेक बच्चन की पिछली फिल्म 'कालीधर लापता' थी, यह एक इमोशनल ड्रामा फिल्म थी। इस फिल्म के लिए अभिषेक को काफी सराहा गया था।



आलिया और अनुष्का शर्मा से लेकर प्रियंका तक, इन अभिनेत्रियों ने किया फिल्म का निर्माण

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'डेंट बी शाय' की घोषणा की है। 'डेंट बी शाय' का निर्माण आलिया खुद कर रही हैं। इससे पहले भी आलिया कई फिल्मों का निर्माण कर चुकी हैं। जानिए उन अभिनेत्रियों के बारे में जिन्होंने अभिनय के बाद फिल्म निर्माण में कदम रखा है।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट ने अपनी नई फिल्म 'डेंट बी शाय' की घोषणा की है। आलिया ने मुंबई में एक कार्यक्रम में बताया कि वह अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर फिल्म 'डेंट बी शाय' का निर्माण करेंगी। आलिया भट्ट ने अपनी नई फिल्म 'डेंट बी शाय' की घोषणा कर फैंस को खुश कर दिया है। इससे पहले उन्होंने 'डॉल्फिन' और 'जिग्सा' जैसी फिल्मों का भी सह-निर्माण किया है।



अनुष्का शर्मा

अनुष्का ने 2013 में 'वर्लीन स्लेट' फिल्म शुरू की थी। उन्होंने 'NH10' और 'पाताल लोक' जैसी अच्छी फिल्मों का निर्माण किया है। 2022 के बाद उन्होंने प्रोडक्शन की जिम्मेदारी कम कर दी, लेकिन उनका बैनर अभी भी अच्छी और अलग तरह की फिल्में बना रहा है।



दीपिका पादुकोण

दीपिका का प्रोडक्शन हाउस अच्छी और समाज को संदेश देने वाली कहानियां बनाने पर जोर देता है। उन्होंने 'छपाक' से शुरुआत की और फिर '83' जैसी बड़ी फिल्म बनाई। 2026 में भी दीपिका कई बड़ी फिल्मों का निर्माण कर सकती है।

प्रियंका चोपड़ा जोनस

प्रियंका ने अपनी निर्माण कंपनी बनाई ताकि छोटी-बड़ी और क्षेत्रीय फिल्मों को आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने 'वैटलेटर' जैसी पुरस्कार जीतने वाली फिल्म से लेकर 2026 की हॉलीवुड एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' तक काम किया है। वह अलग-अलग तरह की कहानियों को बड़ा प्लेटफॉर्म देती है।



एक बार फिर हॉरर की दुनिया में वापसी करने वाले हैं अजय देवगन

अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी फिल्मों 'दृश्य 3' और 'गोलमाल 5' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उनकी एक और आगामी फिल्म को लेकर दिलचस्प खबर सामने आई है। अजय देवगन एक बार फिर हॉरर की दुनिया में वापसी करने वाले हैं। अजय देवगन एक बार फिर हॉरर फिल्म में नजर आएंगे। इसके लिए उन्होंने 'सरदारजी' फ्रेंचाइजी के निर्देशक रोहित जुग्राज के साथ हाथ मिलाया है।

अजय देवगन 'भूत' (2003) और 'काल' (2005) जैसी हॉरर फिल्मों में दर्शकों का मनोरंजन कर चुके हैं। अब कथित तौर पर एक्टर एक बार फिर हॉरर मूवी में नजर आएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, अजय देवगन ने हॉरर फिल्म के लिए रोहित

जुग्राज के साथ हाथ मिलाया है। फिलहाल मेकर्स इस प्रोजेक्ट के प्री-प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर कुमार मंगत हैं और फिलहाल वे इसे एक हाई कॉन्सेप्ट के रूप में बनाने की तैयारी में हैं।

कास्टिंग पर चल रहा है काम

फिलहाल प्रोजेक्ट का नाम तय नहीं है। कहा जा रहा है कि इसमें एक बॉल्ड, हाई-कॉन्सेप्ट वाली डरावनी कहानी दर्शकों को देखने को मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्र ने कहा कि यह फिल्म पारंपरिक हॉरर फिल्मों से अलग होगी। फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर लंदन में होगी। फिल्म के लिए कास्टिंग का काम भी चल रहा है। टीम ऐसे कलाकारों को एक साथ लाने की कोशिश कर रही है, जो अजय देवगन की दमदार ऑन-स्क्रीन मौजूदगी को और भी निखार सकें। हॉरर जॉनर में अजय देवगन की वापसी की खबर ने दर्शकों को उत्साहित कर दिया है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी इसे लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट्स की मानें तो जुलाई से फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है। अजय देवगन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे इन दिनों 'गोलमाल 5' की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह फिल्म साल 2027 में दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



प्रियदर्शन ने बताया क्यों 'धुरंधर द रिवेंज' से खास है 'भूत बंगला'

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर-2' अनुमान के मुताबिक ही कमाई कर रही है। इसी वजह से कई मेकर्स ने अपनी रिलीज डेट भी आगे बढ़ा दी थी। मगर फिल्म भूत बंगला के लिए फिल्म मेकर प्रियदर्शन पूरी तरह आश्वस्त हैं। उनका कहना है कि फिल्म पूरी तरह पारिवारिक है।



'धुरंधर 2' से कोई मुकाबला नहीं

'धुरंधर 2' की तगड़ी कमाई के बाद अब दूसरी फिल्म अक्षय कुमार की हॉरर कॉमेडी 'भूत बंगला' भी जल्द रिलीज होने वाली है। जिसे लेकर प्रियदर्शन को फिल्म की कमाई पर कोई संदेह नहीं है। हाल ही में पीटीआई को दिए अपने इंटरव्यू में फिल्ममेकर ने खुलकर अपनी आगामी फिल्म की जानकारी दी। साथ ही यह भी कहा कि 'धुरंधर 2' को आक्रामक सीनस की वजह से बच्चों के साथ नहीं देख सकते मगर 'भूत बंगला' एक ऐसी फिल्म है जिसे आप बच्चों के साथ भी देख सकते हैं।

लोगों की रुचि और उनका मन लगा कर रखेगी। हमने फिल्म में किसी भी तरह का कोई डबल मीनिंग वाला शब्द नहीं रखा है। जिससे फिल्म को बच्चों के साथ भी देखा जा सकता है। इस बात को मैंने अपने करियर की शुरुआत से एक आदर्श बना कर रखा है। मैं इंटेस ड्रामा वाली फिल्में बनाने से बचता हूँ।

'भूत बंगला' जल्द होगी रिलीज

'भूत बंगला' को लेकर प्रियदर्शन ने बताया कि इस फिल्म में भी कई ऐसे सीन हैं जो बेहद तनावपूर्ण हैं, लेकिन इसमें कई कॉमेडी सीन भी हैं। तो यह एक अच्छा संयोजन है। लोगों को दोनों पसंद आते हैं। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार के साथ परेश रावल, तब्बू, वामिका गब्बी, मिथिला पालकर, राजपाल यादव और असरानी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'भूत बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

संजय दत्त की 'आखिरी सवाल' 15 मई को होगी रिलीज



एक तरफ जहां संजय दत्त की नई फिल्म 'आखिरी सवाल' की रिलीज डेट सामने आ गई है, वहीं सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्टार 'वन: फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की रिलीज आगे खिसक गई है। अब वन की रिलीज डेट पर 'आखिरी सवाल' आएगी और 'वन' 28 अगस्त को रिलीज होगी।

'धुरंधर 2' में चौधरी असलम के किरदार से गर्दा उड़ाने के बाद संजय दत्त अब नई फिल्म 'आखिरी सवाल' में नजर आएंगे, जिसका नया पोस्टर सामने आया है। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान किया गया है। दूसरी ओर, सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्टार 'वन: फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की नई रिलीज डेट भी सामने आई है। पहले यह फिल्म 15 मई को थिएटर में आने वाली थी, पर अब यह आगे खिसका दी गई है। अब इसकी जगह 15 मई को संजय दत्त की 'आखिरी सवाल' रिलीज होगी। यहां दोनों फिल्मों की कहानी और रिलीज डेट से जुड़ी सारी जानकारी दे रहे हैं:

'आखिरी सवाल' के नए पोस्टर में संजय दत्त

सबसे पहले बात 'आखिरी सवाल' की। फिल्म की पहली झलक सामने आने के बाद से ही फैंस के बीच इसे लेकर खलबली मच नए पोस्टर और रिलीज डेट ने तहलका मचा दिया है। 'आखिरी सवाल' 15 मई को थिएटर में रिलीज होगी। इसे नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्ममेकर अभिजीत मोहन वारंग ने डायरेक्ट किया है। 'आखिरी सवाल' में आजादी से पहले के दौर की अनकही सच्चाइयों को पहली बार दिखाया जाएगा। 'आखिरी सवाल' के पोस्टर में उस गंभीरता और विषय की सही झलक है, जिसे फिल्म में दिखाया जाएगा। एक बड़े 'क्वेश्चन मार्क' के बीच संजय दत्त का संजीदा चेहरा इस पोस्टर को काफी दिलचस्प बना रहा है, जिससे फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। इसकी टैगलाइन इसे और भी दमदार बनाती है, और वो है- 'वन सवाल जो भारत ने पूछना कभी बंद नहीं किया। यह अपने आप में इशारा करता है कि फिल्म एक ऐसे विषय पर आधारित है, जिससे भारत लंबे समय से जुड़ा रहा है। 'आखिरी सवाल' में RSS के सफर की भी कहानी इसके अलावा, 'आखिरी सवाल' दर्शकों के सामने

भारत के सबसे पुराने और एकजुट संगठनों में से एक- RSS के 100 साल के सफर की सच्ची कहानी भी बताएगी। इसकी स्थापना साल 1925 में केशव बलिराम हेडगेवार ने की थी। दर्शकों को एक ऐसी महत्वपूर्ण मीटिंग देखने को मिलेगी, जिसने भारत के भविष्य को बदल दिया। यह फिल्म इतिहास की उन कहानियों से कहीं आगे जाएगी, जो हमारी किताबों में भी नहीं मिलती। यह राष्ट्र के लिए निस्वार्थ सेवा के

मूल विचार पर रोशनी डालती है और दर्शकों को उन सच्चाइयों से रूबरू कराने का वादा करती है जो अब तक अनकही और अनदेखी रही हैं। 'आखिरी सवाल' में संजय दत्त के अलावा अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, त्रिधा चौधरी और नीतू चंद्रा जैसे स्टार्स हैं। जबकि प्रोड्यूसर निखिल नंदा और संजय दत्त हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की 'वन' 28 अगस्त को होगी रिलीज

अब बात सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की 'वन: फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की। यह एक फोक थ्रिलर है, जो पहले 15 मई को रिलीज होने वाली थी, पर अब 28 अगस्त को रक्षाबंधन के मौके पर थिएटर में दस्तक देगी। इसकी जानकारी ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने जू पर एक टवीट में दी है। 'वन' को अड्डन्न के अरुणाचल कुमार और दीपक मिश्रा ने डायरेक्ट किया है। वहीं, प्रोड्यूसर एकता कपूर और उनकी माँ शोभा कपूर हैं। 'वन' की कहानी प्राचीन लोक कथाओं और भारत के मदिरों पर आधारित बताई जाती है। फिल्म की शूटिंग रियल लोकेशंस पर की जा रही है, जिसमें मध्य भारत के घने जंगल भी शामिल हैं।



